केन्द्र प्रायोजित सपोर्ट टू स्टेट एक्सटेंशन प्रोग्राम्स फॉर एक्सटेंशन रिफोर्म्स परियोजना के अधीन प्रकाशित

समेति समाचार

वर्ष : 8

जुलाई : 2010

संदेश

किसान भाई विगत के वर्षों में कृषि में अनेकों तरह के उलट फेर देखे हैं। जहाँ कृषि की अपार सफलताओं की कहानियाँ हैं, वहीं खेती से बेजार होते किसानों की भी बहुत सी कहानियाँ हैं। फिर भी हम खेती करते हैं, क्योंकि इसके बिना जीवोकोपार्जन संभव नहीं हैं। यह हम सभी जानते हैं कि हमारा खेत एक खुला कारखाना है, जो प्रकृति की हर अच्छी और बुरी घटनाओं को झेलती है। खेत का देखरेख हम किसान भाईयों के आपसी सौहार्दपूर्ण सोच पर टिका होता है। इसकी जोखिमता तथा आपकी आर्थिक स्थिति को देखते हुए ही सरकार अनेक तरह की योजनाओं को चलाती है, जिससे आपको खेती में लाभ मिल सके।

समेति, झारखण्ड भी प्रयास करती है कि इन योजनाओं का भरपूर लाभ आपको मिल सके और इसके लिए समेति अनेक प्रकार के किसानोपयोगी कार्यो को अन्जाम देती है। प्रसार पदाधिकारियों तथा कृषकों का भी ज्ञानवर्धन करती है तथा तरह-तरह के कार्यशालाओं एवं प्रशिक्षणों का आयोजन करती है। योजनाओं को आप तक पहुँचाने के लिए विभिन्न संगठनों के साथ मिल कर कार्य करती है और अन्त में किए गए कार्यो को समेति समाचार के माध्यम से पदाधिकारियों तथा कृषकों तक पहुँचाने का प्रयास भी करती है। समेति समाचार, कृषि से जुड़े किसी भी व्यक्ति की जागरूकता को बढ़ाने का हमारा एक प्रयास मात्र है।

जटा शंकर चौधरी
निदेशक, समेति

"कृषकों द्वारा कृषि प्रसार प्रबंधन" विषय पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

केन्द्रीय योजना (90:10) सपोर्ट टू स्टेट एक्सटेंशन प्रोग्राम्स फोर एक्टेंशन रिफोर्म्स के अन्तर्गत समेति, झारखण्ड के तत्वावधान में समेति सभाकक्ष में 01-03 जुलाई, 2009 तक ''कृषकों द्वारा कृषि प्रसार प्रबंधन'' विषयक तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित की गई।

कार्यक्रम में राज्य के सभी 24 आत्मा जिलों से कुल 34 कृषक पाठशाला संचालक एवं बीज ग्राम के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कृषकों द्वारा कृषि प्रसार कार्य को सशक्त एवं कृषक पाठशाला को अधिक कारगर करने के लिए था, ताकि प्रशिक्षु किसानों को बेहतर तकनीकी जानकारी उपलब्ध हो सके।

तीन दिवसीय प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को किसान डेयरी, ओरमाँझी का भी भ्रमण कराया गया, जिसमें किसान डेयरी संचालक श्री शिवनारायण साहु द्वारा चलाये जा रहे सहकारी समिति की जानकारी दी गई एवं समिति के कार्यों का अवलोकन कराया गया।

बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष (प्रसार शिक्षा) सुश्री डॉ. निभा बाड़ा; समेति, संकाय सदस्य (कृषि प्रसार प्रबंधन) श्री अभिषेक तिर्की, मोबाईल एग्रीकल्चर स्कूल सर्विसेस के प्रबंध निदेशक, श्री विजय भगत, सीफा, झारखण्ड की सचिव, श्रीमती सुस्मिता सोरेन; एग्रीकल्चर इन्शोरेन्स कम्पनी लि. के क्षेत्रीय प्रबंधक द्वारा तीन दिनों तक विभिन्न विषयों पर प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षित किया गया।

समापन समारोह के अवसर पर समेति निदेशक, ने प्रतिभागियों को बताया कि राज्य के सभी बीज ग्राम केन्द्रों में कृषक पाठशाला की स्थापना करने की योजना तैयार की जा रही हैं। राज्य के विभिन्न जिलों के कृषक पाठशाला संचालकों को कृषि प्रसार के

कार्य में और तेजी लाने के उपाय बताए एवं सुझाव दिया कि कृषक पाठशाला में सभी मौसम का फसलवार प्रत्यक्षण किया जाय। निदेशक, समेति, झारखण्ड के द्वारा प्रतिभागियों को प्रोत्साहन स्वरूप समेति निदेशक के मार्गदर्शन में प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का संचालन एवं कार्यान्वयन श्री अभिषेक तिर्की, संकाय सदस्य (कृषि प्रसार प्रबंधन), समेति, झारखण्ड के द्वारा किया गया।

शत प्रतिशत बीजोपचार अभियान पर कर्मशाला

समेति, झारखण्ड एवं पौधा संरक्षण विभाग, झारखण्ड, राँची के संयुक्त तत्वावधान में 20 जुन, 2009 को **''शत प्रतिशत बीजोपचार अभियान 2009-10''** विषय पर एकदिवसीय कर्मशाला का समेति सभाकक्ष, राँची में आयोजन किया गया। जिसमें कीटनाशी-सह-बीज बिक्रेता, कीटनाशी निर्माता एवं बीज उत्पादक कम्पनी के क्षेत्रीय पदाधिकारियों तथा कृषि विभाग के पदाधिकारीगण ने भाग लिया।

कर्मशाला को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि कृषि निदेशक सह स्टेट नोडल पदाधिकारी (एक्सटेंशन रिफोर्म्स), झारखण्ड, श्री दीपक सिंह ने कहा कि बीजोपचार के बिना कृषकों को बीज उपलब्ध किया जाना लाभप्रद नहीं है। बीज उपलब्ध कराने के समय ही कृषकों को सदृश्य बीजोपचार की विधि से अवगत कराया जाय और उन्हें बीज उपचार करने हेतु प्रोत्साहित किया जाय। इस अवसर पर संयुक्त कृषि निदेशक श्री जे.जे. तिर्की एवं समेति निदेशक श्री जटाशंकर चौधरी ने भी बीजोपचार तकनीकों से अवगत कराया। कार्यशाला का कार्यान्वयन उप निदेशक, पौधा संरक्षण झारखण्ड, राँची के द्वारा किया गया।

अन्तर विभागीय कार्य समूह की सातवीं बैठक सम्पन्न

सचिव, कृषि एवं गन्ना विकास विभाग, झारखण्ड, राँची की अध्यक्षता में 16 सितम्बर, 2009 को अन्तर विभागीय कार्य समूह की सातवीं बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में राज्यस्तर से विभिन्न विभागों के माननीय सदस्य एवं कृषि एवं संबंद्ध विभाग के अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में एक्सटेंशन रिफोर्म्स योजनान्तर्गत फार्म स्कूल, प्रशिक्षण कार्यक्रम, प्रखण्ड तकनीकी दल, कृषक सलाहकार समिति, कृषक अभिरूचि समूह, अन्तर राजकीय/राजकीय/जिलास्तरीय परिभ्रमण एवं किसानोपयोगी गतिविधियों पर नीतिगत निर्णय लिया गया। वित्तीय वर्ष 2009-10 के राज्यस्तरीय कृषि प्रसार कार्य योजना का अनुमोदन देते हुए भारत सरकार को अनुदान हेतु उपस्थापित करने का निदेश दिया गया।

नवगठित जिले यथाः राँची/सिमडेगा/पूर्वी सिंहभूम/गोड्डा/पाकुड़/गिरिडीह/ धनबाद/कोडरमा/बोकारो/लोहरदगा/लातेहार जिले द्वारा तैयार एस.आर.ई.पी. ड्राफ्ट पर अन्तरिम सहमति प्रदान करते हुए बताये गये सुझाव को शामिल करने का सुझाव दिया गया। साथ ही नवसृजित जिले यथाः खूँटी एवं रामगढ़ में आत्मा गठन की स्वीकृति प्रदान की गई और भारत सरकार को अवगत कराने एवं जिला कार्ययोजना समर्पित करने का निदेश दिया गया।

गैर सरकारी संस्थानों से MOU कर पब्लिक प्राईवेट पार्टनरशीप मोड में प्रसार कार्य को गति देने की अनुशंसा की गई। राज्य में कार्यरत Mobile Agricultural School Services (MASS) से जिला स्तर पर MOU कर किसानोपयोगी प्रशिक्षण का कार्य करने का निर्देश पारित किया गया। बैठक में सचिव, कृषि एवं गन्ना विकास विभाग, झारखण्ड; कृषि निदेशक-सह-राज्य नोडल पदाधिकारी, निदेशक (समेति), निदेशक (भूमि संरक्षण), उप निदेशक (उद्यान), निदेशक

(मत्स्य), उप निदेशक (गव्य विकास), बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के प्रतिनिधि, राज्य परियोजना निदेशक (मुख्यमंत्री किसान खुशहाली योजना), झारखण्ड; परियोजना निदेशक, आत्मा-दुमका/पश्चिम सिंहभूम उपस्थित थे।

कृषि प्रसार पदाधिकारियों का दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम

पोस्टग्रेजुएट डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन मैनेजमेंट कोर्स के प्रथम बैच का परिणाम घोषित

भारत सरकार के द्वारा आत्मा मॉडल की अभिनव गतिविधि के अधीन प्रसार कर्मियों/पदाधिकारियो के क्षमता विकास एवं ज्ञान अभिवर्द्धन के लिए दूरस्थ शिक्षा के माध्यम से एक वर्षीय पाठयक्रम को चलाया जा रहा है। देश के सभी राज्यों मे समेति के माध्यम से मैनेज, हैदराबाद के द्वारा संचालित इस कोर्स हेतु समेति को झारखण्ड राज्य का अध्ययन केन्द्र चिन्हित किया गया हैं। प्रथम वर्ष इस पाठयक्रम में आई.डी.डब्लू.जी., झारखण्ड की अनुशंसा के उपरांत 74 लोगों का मैनेज हैदराबाद द्वारा पंजीयन एवं नामांकन किया गया।

इस कोर्स के प्रथम बैच (2007-08) की परीक्षा में राज्य के 56 प्रतिशत परीक्षार्थी सफल घोषित हुए। इस परीक्षा में राज्य सेवा से 64 कृषि प्रसार कर्मी/पदाधिकारीगण सम्मिलित हुए। मैनेज द्वारा आयोजित प्रथम वर्ष (2007-2008) की परीक्षा में झारखण्ड राज्य से डा. सुनील कुमार सिंह ने प्रथम, श्री अजय कुमार ने द्वितीय, डा. जय कुमार तिवारी ने तृतीय, डा. महेश चन्द्र जेराई ने चतुर्थ तथा श्री मनोज कवि ने पाँचवा स्थान प्राप्त किया।

वर्ष 2007-08 की परीक्षा में सफल परीक्षार्थियों में से श्री अजय कुमार को सर्वाधिक 7 विषयों में, डॉ0 सुनील कुमार सिंह एवं डॉ0 जयकुमार तिवारी को संयुक्त रूप से 5 विषयों में, डॉ0 महेश चन्द्र जोराई को 4 तथा श्री मनोज कवि को 3 विषयों में विशिष्ठता प्राप्त हुई है। इसके अलावा 10 अन्य परिक्षार्थीयों ने भी 2 विषयों में विशिष्ठता प्राप्त की।

पी.जी.डी.ए.ई.एम. पाठ्यक्रम के द्वितीय वर्ष (2008-09) का प्रथम सत्र

मैनेज, हैदराबाद एवं समेति, झारखण्ड, राँची के संयुक्त तत्वावधान में समेति सभाकक्ष, कृषि भवन प्रांगण, काँके रोड, राँची में ''**पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन मैनेजमेंट (पी.जी.डी.ए.ई.एम.)**'' दूरस्थ शिक्षा पाठ्यक्रम के द्वितीय वर्ष 2008-09 के प्रथम सत्र हेतु 14-16 जुलाई, 2009 तक एवं 10-12 अगस्त, 2009 तक कॉन्टेक्ट कक्षा का आयोजन किया गया। इस दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम के अन्तर्गत आयोजित कक्षा में झारखण्ड राज्य के सभी आत्मा जिलों से कुल 50 कृषि एवं उससे संबद्ध विभाग के अधिकारी, प्रसार कार्यकर्त्ता एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों ने पाठयक्रम के विषय-वस्तु की जानकारी प्राप्त की।

समेति निदेशक, झारखण्ड, राँची द्वारा उद्घाटन सत्र अभिभाषण के क्रम में प्रतिभागियों को बताया गया कि पी.जी.डी.ए.ई.एम. कोर्स भारत सरकार की एक महत्वाकांक्षी कार्यक्रम है, जिसे राष्ट्रीय स्तर पर मैनेज, हैदराबाद द्वारा प्रत्येक राज्य के समेति के सहयोग से संचालित की जा रही है। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य प्रसार कर्मी, एवं पदाधिकारियों को कृषि प्रसार में हो रहे बदलाव, कृषि प्रसार के नवीन आयाम एवं स्वरूप से अवगत कराना एवं उनकी ज्ञानवृद्धि कर कृषि प्रसार के माध्यम को सशक्त करना हैं।

तकनीकी सत्रों में डॉ. निभा बाड़ा, विभागाध्यक्ष (प्रसार शिक्षा), बिरसा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा ''कृषि प्रसार में सहभागिता'' के विभिन्न विन्दुओं पर चर्चाएँ की गई एवं पाठ्य सामग्री से परिचित कराया गया। डॉ. आर.पी. सिंह 'रतन', निदेशक, (प्रसार शिक्षा), बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, राँची ने पाठ्यकर्मियों को ''प्रसार प्रबंधन की शिक्षा'' से अवगत कराते हुए विभिन्न पहलुओं की जानकारी दिया गया। कोर्स कोर्डिनेटर श्री जटाशंकर चौधरी के मार्गदर्शन में कार्यक्रम का संचालन श्री अभिषेक तिर्की, संकाय सदस्य (कृषि प्रसार प्रबंधन), समेति, झारखण्ड के द्वारा किया गया है।

पी.जी.डी.ए.ई.एम. पाठ्यक्रम की प्रथम सत्र परीक्षा 2008-09 एवं 2007-08 की पूरक परीक्षा संपन्न

''पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन मैनेजमेंट (पी.जी.डी.ए.ई.एम.)'' दूरस्थ शिक्षा पाठयक्रम (2008-09) के प्रथम सत्र तथा पूरक परीक्षा (2007-08) दिनांक 25.08.2009 से 29.08.2009 तक राँची कृषि महाविद्यालय, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, राँची के परीक्षा हॉल एवं समेति, सभाकक्ष में संपन्न हुई।

इस परीक्षा में झारखण्ड राज्य के सभी आत्मा जिलों के कुल 75 कृषि एवं उससे संबद्ध विभाग के अधिकारी, प्रसार कार्यकर्त्ता एवं कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिकों ने भाग लिया। परीक्षा पर्यवेक्षक के रूप में डॉ. आर.एम. श्रीवास्तव, सेवानिवृत निदेशक, (प्रसार शिक्षा), बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, राँची एवं समन्वयक के रूप में डॉ. रंजय कुमार सिंह, कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, चतरा तथा श्री अभिषेक तिर्की, संकाय सदस्य, (कृषि प्रसार प्रबंधन), समेति, झारखण्ड के देख-रेख में परीक्षा सम्पन हुआ।

पी.जी.डी.ए.ई.एम. कॉन्टेक्ट क्लासेस का आयोजन

मैनेज, हैदराबाद द्वारा संचालित दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम पी.जी.डी.ए.ई.एम. वर्ष (2008-09) के द्वितीय सत्र के कॉन्टेक्ट क्लासेस का आयोजन दिनांक 15 से 18 जनवरी, 2010 तक समेति, सभागार में आयोजित की गई। जिसमें राज्य के कृषि एवं संबंद्ध विभाग के पदाधिकारी, कृषि विज्ञान केन्द्र के वैज्ञानिक एवं प्रसार कर्मी सहित कुल 49 पाठ्यकर्मियों ने भाग लिया गया। कॉन्टेक्ट क्लासेस में विशेषज्ञ के रूप में बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, काँके के डॉ. आर.पी. सिंह 'रतन', निदेशक, (प्रसार शिक्षा), डॉ. ए.के. पाण्डेय, राँची; जेवियर सेवा संस्थान (XISS) के डॉ. पिनाकी घोष, डॉ. सन्त कुमार, समेति, झारखण्ड के श्री अभिषेक तिर्की, संकाय सदस्य (कृषि प्रसार प्रबंधन) एवं श्री मनोज कवि, संकाय सदस्य (सूचना प्रौद्योगिकी) आदि ने पाठ्यक्रम के विषयों की सविस्तार जानकारी दी।

पी.जी.डी.ए.ई.एम. प्रथम सेमेस्टर (2008-09) की परीक्षा संपन्न

मैनेज, हैदराबाद द्वारा संचालित दूरस्थ शिक्षा कार्यक्रम अन्तर्गत समेति, झारखण्ड द्वारा वर्ष 2008-09 एवं वर्ष 2007-08 (पूरक) के दूसरे सेमेंस्टर की परीक्षा का आयोजन समेति में 22 से 26 फरवरी, 2010 तक आयोजित की गई। परीक्षा में पर्यवेक्षक के रूप में डॉ. आर.एम. श्रीवास्तव, सेवानिवृत, निदेशक, (प्रसार शिक्षा) एवं डॉ. जी.पी. श्रीवास्तव, सेवानिवृत, वरीय वैज्ञानिक, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, राँची एवं परीक्षा समन्वयक के रूप में श्री अभिषेक तिर्की, संकाय सदस्य, (कृषि प्रसार प्रबंधन), समेति, झारखण्ड ने कार्य सम्पन्न किया। अंतिम सत्र की परीक्षा में कुल 84 परीक्षाणार्थियों ने भाग लिया एवं पूरक परीक्षा में कुल 14 परीक्षाणार्थियों ने भाग लिया।

हॉर्टिकल्चर एक्सटेंशन मैनेजमेंट पर प्रशिक्षण कार्यक्रम

मैनेज, हैदराबाद एवं समेति, झारखण्ड के संयुक्त तत्वावधान में 09-13 नवम्बर, 2009 तक ''हॉर्टिकल्चर एक्सटेंशन मैनेजमेंट'' विषयक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बागवानी मिशन से जुड़े पदाधिकारियों/प्रसार कर्मियों को बागवानी क्षेत्र में प्रसार प्रबंधन के बारे में जानकारी देना था, ताकि बागवानी का कार्य उत्कृष्ट प्रबंधन से कार्यान्वित हो सके। प्रशिक्षण का उद्घाटन श्री दीपक सिंह विशेष सचिव, कृषि एवं

गन्ना विकास विभाग, झारखण्ड, राँची के द्वारा किया गया। इस अवसर पर प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उन्होने बताया कि राज्य में बागवानी की अपार संभावना को देखते हुए उत्कृष्ट कार्य एवं प्रबंधन की आवश्यकता है। इस अवसर पर हार्प के प्रधान वैज्ञानिक डा. एस. कुमार ने हाईटेक हार्टिकल्चर एवं बागवानी उत्पादों के तोड़ाई उपरांत भंडारण एवं मुल्यवर्द्धन की जानकारी दी।

विशेषज्ञ के रूप में डॉ. बी.डी. त्रिपाठी, निदेशक, (मानव संसाधन विकास), मैनेज, हैदराबाद ने प्रतिभागियों को प्रसार प्रबंधन के विभिन्न बिन्दुओं एवं सामूहिक क्रिया-कलापों एवं तकनीकी आयामों से अवगत कराया।

तकनीकी सत्र में हार्प प्लाण्डू के डॉ. रणवीर सिंह, प्रधान वैज्ञानिक, डॉ. विकास दास, वरीय वैज्ञानिक के द्वारा बहुस्तरीय फसल प्रणाली एवं फल बागों का जीर्णोद्धार विषयों की जानकारी प्रक्षेत्र परिभ्रमण के दौरान दी गई।

प्रबंधीय सत्र में जेवियर सेवा संस्थान के डॉ. पिनाकी घोष एवं डॉ. सन्त कुमार ने बाजार प्रबंधन एवं परियोजना/योजना के मूल्यांकन के बारे में व्यवहारिक जानकारी दी। इस पाँच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 27 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया।

राज्यस्तरीय समीक्षा-सह-कार्यशाला

कृषि एवं गन्ना विकास विभाग, झारखण्ड एवं राज्य में कार्यान्वित सभी 21 कृषि विज्ञान केन्द्र की एकदिवसीय समीक्षा-सह-कार्यशाला का आयोजन 11.12.2009 को समेति सभाकक्ष में किया गया। तत्कालीन कृषि निदेशक, झारखण्ड, राँची श्री गोकुल मेहरा की अध्यक्षता में जिलावार कृषि विज्ञान केन्द्रों के कार्यकलापों की समीक्षा की गई। कार्यशाला में निदेशक (प्रसार शिक्षा), बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, राँची; निदेशक (समेति), झारखण्ड एवं डॉ. आर.के. सिंह, सी.आर.यू.आर.आर.एस., हजारीबाग; डॉ. ए.के. सरकार (अधिष्ठाता कृषि), बिरसा कृषि विश्वविद्यालय ने भी अपने विचार रखे।

कार्यशाला में 24 आत्मा जिले तथा 21 कृषि विज्ञान केन्द्र के कुल 42 लोगों ने भाग लिया। कार्यशाला में परियोजना निदेशक, आत्मा एवं कार्यक्रम समन्वयक, कृषि विज्ञान केन्द्र के द्वारा पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से जिले में कार्यान्वित अनुसंधान एवं प्रसार कार्यों से अवगत कराया। इस अवसर पर राज्य स्थित सभी जिलों में कृषि क्षेत्र के विकास को गतिशील करने के लिए के.वी.के. एवं आत्मा संस्थानों में सतत् सहयोग एवं समन्वय पर बल दिया गया।

ऑरियेंटेशन प्रोग्राम्स ऑन एग्रीकल्चर डेवलपमेंट ऑफ स्कीम/ प्रोजेक्ट इन झारखण्ड

03-05 दिसम्बर, 2009 तक **"ऑरियेंटेशन प्रोग्राम्स ऑन एग्रीकल्चर डेवलपमेंट स्कीम/प्रोजेक्ट इन झारखण्ड"** विषय पर समेति, झारखण्ड द्वारा तीन दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य कृषि विकास से जुड़े हुये सभी योजना/परियोजना के उद्देश्यों एवं क्रिया कलापों से विभिन्न योजनाओं से जुड़े प्रतिभागियों को अवगत कराना था। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन तत्कालीन कृषि निदेशक-सह स्टेट नोडल पदाधिकारी (एक्सटेंशन रिफोर्म्स) झारखण्ड, राँची श्री गोकुल मेहरा के द्वारा किया गया। श्री मेहरा ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में किसानों के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा कई महत्वाकांक्षी योजनाएँ चलाई जा रही है। जिसमें राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, राष्ट्रीय बागवानी मिशन, सपोर्ट टू स्टेट एक्सटेंशन प्रोग्राम्स फोर एक्सटेंशन रिफोर्म्स, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरक प्रबंधन योजना, मुख्यमंत्री किसान खुशहाली योजना आदि महत्वपुर्ण हैं। सभी योजनाओं का मुख्य उद्देश्य किसानों का सर्वांगीण विकास

करना है, जिसके लिए सभी योजनाओं का सिंगल विण्डो सिस्टम में समन्वय स्थापित कर कार्य करने की आवश्यकता है। कार्यक्रम के प्रथम सत्र में निदेशक, समेति, श्री जटा शंकर चौधरी ने Convergence से जुड़े गतिविधियों पर बल देते हुए योजनाओं के कार्यान्वयन पर बल दिया और राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर Convergence के माध्यम से किये जा रहे कार्यों की सफलतम प्रयासों की जानकारी दी।

विशेषज्ञों के रूप में श्री एम.एस.ए. महालिंगम शिवा, परियोजना निदेशक, मुख्यमंत्री किसान खुशहाली योजना, झारखण्ड श्री मनोज कवि, संकाय सदस्य, (सूचना प्रौद्योगिकी), समेति, झारखण्ड; ने भी प्रशिक्षणार्थियों को कृषि विकास के अवसर एवं संभावनाओं तथा कृषि क्षेत्र में आइ.टी. की बढती भूमिका से अवगत कराया।

अन्तर जिला समीक्षात्मक बैठक-सह-कार्यशाला

सचिव, कृषि एवं गन्ना विकास विभाग, झारखण्ड, राँची; राज्य नोडल पदाधिकारी (एक्सटेंशन रिफोर्म्स) - सह - कृषि निदेशक, झारखण्ड, राँची; निदेशक, समेति, झारखण्ड एवं विभागीय वरीय पदाधिकारियों के संयुक्त दल द्वारा राज्य में रबी अभियान (2009-10) अन्तर्गत प्रमण्डलवार निम्नवत सभी जिलों में भ्रमण कर कृषि विकास कार्यो की समीक्षा की गई :

क्र. सं.	प्रशिक्षण / भ्रमण का स्थल	जिले का नाम	तिथि	प्रतिभागियों की संख्या
1.	समेति सभाकक्ष	सभी 27 कृषि विज्ञान केन्द्र	11.12.2009	42
2.	समेति सभाकक्ष	सभी आत्मा जिले	12.12.2009	70
3.	उपायुक्त, धनबाद सभाकक्ष	धनबाद, बोकारो, गिरिडीह	14.12.2009	58
4.	आत्मा, दुमका सभाकक्ष	दुमका, जामताड़ा, देवघर	15.12.2009	70
5.	उपायुक्त, गोड्डा सभाकक्ष	गोड्डा, साहेबगंज, पाकुड़	16.12.2009	115
6.	उपायुक्त, गुमला सभाकक्ष	गुमला, लोहरदगा, खूँटी, सिमडेगा	19.12.2009	65
7.	उपायुक्त, हजारीबाग सभाकक्ष	हजारीबाग, चतरा, कोडरमा,	21.12.2009	80
8.	उपायुक्त, पूर्वी सिंहभूम सभाकक्ष	पूर्वी सिंहभूम, सरायकेला एवं पश्चिम सिंहभूम	24.12.2009	62
9.	उपायुक्त, पलामू समाहरणालय सभाकक्ष	पलामू, गढ़वा, लातेहार	30.12.2009	52

इस बैठक में कृषि एवं कृषि से संबंधित चलाये जा रहे विभिन्न योजनाओं यथा: एक्सटेंशन रिफोर्म्स, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन, मृदा स्वास्थ्य एवं उर्वरक प्रबंधन, मुख्यमंत्री किसान खुशहाली योजना, जलछाजन, राष्ट्रीय बागवानी मिशन आदि योजनाओं की समीक्षा उपरान्त विभिन्न बिन्दुओं पर संबंधित योजनाओं के बारे में अपने विचार रखें।

वर्कशॉप ऑन ऑपरेशनेलाईजेशन ऑफ ईएमएस एण्ड वेबसाईट फोर आत्मा डिस्ट्रीक्ट

एक्सटेंशन रिफोर्म्स योजनान्तर्गत समेति, झारखण्ड द्वारा दिनांक 21 से 22 दिसम्बर, 2009 तक समेति सभाकक्ष में **"वर्कशॉप ऑन ऑपरेशनलाईजेशन ऑफ ईएमएस एण्ड वेबसाईट फोर आत्मा डिस्ट्रीक्ट"** विषयक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में प्रदेश के सभी आत्मा जिलों में कार्यरत लेखापाल एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर सहित कुल 52 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य सभी जिलों को ईएमएस एवं वेबसाईट प्रयोग करने हेतु प्रोत्साहित करना तथा सभी जिले द्वारा तैयार प्रतिवेदन का आदान-प्रदान ईमेल के माध्यम से करने के लिए किया गया था।

कार्यक्रम के विशेषज्ञ के रूप में श्री मनोज कवि, संकाय सदस्य (सूचना

प्रौद्योगिकी) समेति, झारखण्ड द्वारा वेबसाईट निर्माण की विधि से प्रतिभागियों को अवगत कराया गया तथा श्री अभिषेक तिर्की, संकाय सदस्य (कृषि प्रसार प्रबंधन), समेति, झारखण्ड द्वारा ईलेक्ट्रोनिक मेल एवं कृषि प्रसार प्रबंधन के बारे में विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। वित्त विभाग, झारखण्ड, राँची के वरीय लेखा पदाधिकारी द्वारा सभी आत्मा जिले में कार्यरत लेखापाल एवं कम्प्यूटर ऑपरेटर को आत्मा के लेखा संधारण की विभिन्न पहलुओं से अवगत कराया।

कार्यक्रम में श्री जटाशंकर चौधरी, निदेशक, समेति ने जिले में कार्यान्वित सभी योजनाओं के बीच समन्वय स्थापित करने पर बल दिया।

ऑपरेशनलाईजेशन ऑफ आत्मा एण्ड एस.आर.ई.पी.

मैनेज, हैदराबाद एवं समेति, झारखण्ड, राँची के संयुक्त तत्वावधान में 11 से 13 जनवरी, 2010 तक समेति सभाकक्ष में **"ऑपरेशनलाईजेशन ऑफ आत्मा एण्ड एस.आर.ई.पी."** विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण में आत्मा जिलों के परियोजना निदेशक, आत्मा; लाईन विभाग के पदाधिकारी एवं गैर सरकारी संस्थान से कुल 26 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इस कार्यशाला का उद्‌घाटन निदेशक, समेति, झारखण्ड, श्री जटाशंकर चौधरी द्वारा किया गया। उद्‌घाटन सत्र में श्री चौधरी ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि आत्मा के सफल कार्यान्वयन एवं संचालन के लिए आत्मा को जिले के एस.आर.ई.पी. के आधार पर कार्य करने की आवश्यकता है, ताकि किसानों को स्थानीय मांग के अनुरूप सही समय में प्रशिक्षण, बीज, क्षमता विकास एवं परिभ्रमण का कार्य किया जा सके।

तकनीकी सत्र में मैनेज, हैदराबाद के राष्ट्रीय विशेषज्ञ एवं निदेशक, बमेति, बिहार डॉ आर.के. सोहाने एवं संकाय सदस्य, समेति, बिहार श्री सोमेश कुमार द्वारा आत्मा के कार्यान्वयन एवं संचालन की जानकारी पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से किया गया। बिहार में कार्यान्वित आत्मा के कार्यों का उदाहरण देते हुए प्रतिभागियों को अवगत कराया गया। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य प्रतिभागियों को एक्सटेंशन रिफोर्म्स से जुड़े गतिविधियों और उसके कार्यान्वयन के पहलुओं की जानकारी देना था।

वर्कशॉप ऑन वेटिंग एण्ड अप्रुवल ऑफ एस.आर.ई.पी. ऑफ आत्मा डिस्ट्रीक्ट

झारखण्ड राज्य में एक्सटेंशन रिफोर्म्स परियोजनान्तर्गत नव सृजित 14 आत्मा जिले में से पूर्वी सिंहभूम, बोकारो, धनबाद, गिरिडीह, गोड्डा, राँची, सिमडेगा, लोहरदगा, पाकुड़, कोडरमा एवं लातेहार जिले के तैयार ड्रॉफ्ट एस.आर.ई.पी. के वैटिंग एवं अप्रुवल के लिए समेति, झारखण्ड द्वारा 07-08 जनवरी, 2010 तक समेति सभाकक्ष में **"वर्कशॉप ऑन वेटिंग एण्ड अप्रुवल ऑफ एस.आर.ई.पी. ऑफ आत्मा डिस्ट्रीक्ट"** विषयक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राज्यस्तरीय एस.आर.ई.पी. कोर टीम, एस.आर.ई.पी. तकनीकी समिति एवं मैनेज, हैदराबाद के राष्ट्रीय एस.आर.ई.पी. विशेषज्ञ डॉ. अनील कुमार राठी द्वारा जिले में तैयार एस.आर.ई.पी. का अध्ययन किया गया।

कार्यक्रम में राज्यस्तरीय एस.आर.ई.पी. कोर टीम के सदस्य डा.ए.के. सरकार, अधिवक्ता (कृषि), डा. आर.पी.सिंह "रतन", (प्रसार शिक्षा निदेशक), डा. एस. कुमार प्रधान वैज्ञानिक, हार्प, डा. आर.पी. सिंह, हजारीबाग डा. एम.एस.ए. एम. शिवा, परियोजना निदेशक (मु.मं.खु.यो.), श्री सुधीर कुमार सिंह, पूर्व उप परियोजना निदेशक (आत्मा), डा. अरविन्द कुमार, पूर्व परियोजना निदेशक (आत्मा), तथा श्री अजय कुमार, कार्यक्रम पदाधिकारी के द्वारा सभी जिलों के एस.आर.ई.पी. ड्राफ्ट का अवलोकन किया गया और सुधार के लिए महत्वपूर्ण सूझावो को सम्मिलित करने की सलाह दी गई।

जिले के परियोजना निदेशक, आत्मा द्वारा अपने जिले के एस.आर.ई.पी. का पावर प्वाइंट प्रस्तुति, उपरोक्त विशेषज्ञों के समक्ष जिला वार प्रस्तुति की गई।

कार्यशाला में तत्कालीन कृषि निदेशक, झारखण्ड, राँची, श्री गोकुल मेहरा एवं निदेशक, समेति, श्री जटाशंकर चौधरी ने एस.आर.ई.पी. के महत्व पर प्रकाश डाला गया।

कार्यशाला का कार्यान्वयन एवं संचालन श्री अभिषेक तिर्की, संकाय सदस्य (कृषि प्रसार प्रबंधन), समेति, झारखण्ड द्वारा किया गया।

नवसृजित रामगढ़ एवं खूँटी जिला में आत्मा का गठन

नवसृजित आत्मा जिले के लिए एस.आर.ई.पी. ट्रेनिंग प्रोग्राम्स

समेति, झारखण्ड एवं आत्मा, रामगढ़ तथा खूँटी के संयुक्त तत्वावधान में दिनांक 22 से 24 जनवरी, 2010 तक तथा 29 से 31 जनवरी, 2010 तक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया।

आत्मा, रामगढ़ के एस.आर.ई.पी. विकास के लिए समेति, झारखण्ड द्वारा तीन दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन रेसक्यु भवन, रामगढ़ तथा आत्मा, खूँटी में प्रखण्ड किसान भवन में आयोजित की गई, जिसमें एस.आर.ई.पी., फार्मिंग सिस्टम एप्रोच, ए.ई.एस., एस.आर.ई.पी. मार्गदर्शिका, फार्मर ऑरगेनाईजेशन, मार्केट लेड एक्सटेंशन, आदि विषयों की जानकारी पावर प्वाइंट प्रस्तुति एवं समूह कार्यों के माध्यम से डॉ. रंजय कुमार सिंह, श्री अभिषेक तिर्की एवं डॉ. सुधीर झा, द्वारा दिया गया। प्रशिक्षण में जिले के प्रखण्ड स्तरीय कृषि/पशुपालन/मत्स्य/उद्यान पदाधिकारी एवं सहकारिता विभाग के पदाधिकारी, कृषि विज्ञान केन्द्र के प्रतिनिधि, गैर सरकारी संस्थान के प्रतिनिधि तथा प्रगतिशील कृषकों ने भाग लिया। एस.आर.ई.पी. ट्रेनिंग के दौरान प्रसार कर्मी/पदाधिकारियों के सहयोग से आत्मा, रामगढ़ एवं आत्मा, खूँटी को तीन-तीन एग्रो इकोलोजिकल सिचुऐशन के आधार पर विभाजित किया गया। प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य एस.आर.ई.पी. विकास के लिए आवश्यक जानकारी उपलब्ध किया जाना था। आत्मा, खूँटी के समापन सत्र में निदेशक, समेति, झारखण्ड ने प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि एस.आर.ई.पी. के विकास का कार्य युद्ध स्तर पर पूरा करें, क्योंकि भारत सरकार इसी के आधार पर कृषि विकास के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराती है, ताकि जिले में कृषि विकास को बढ़ावा मिल सके।

दोनों प्रशिक्षण कार्यक्रम का श्री अभिषेक तिर्की, संकाय सदस्य, कृषि प्रसार प्रबंधन, समेति, झारखण्ड के द्वारा कार्य सम्पादित किया गया। कार्यक्रम का कार्यान्वयन परियोजना निदेशक, आत्मा, रामगढ़ श्री विजय कुमार तथा परियोजना निदेशक, आत्मा, खूँटी, श्री एडमण्ड मिंज के द्वारा किया गया।

ऑरियेन्टेशन प्रोग्रार्म्स ऑन एक्सटेंशन रिफोर्म्स-फॉर न्यू आत्मा

समेति, झारखण्ड के सौजन्य से समेति-आत्मा, रामगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में नवसृजित आत्मा, रामगढ़ के लिए **''ऑरियेन्टेशन प्रोग्राम्स ऑन एक्सटेंशन रिफोर्म्स''** विषयक एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन दिनांक 21.01.2010 को रेसक्यु भवन, रामगढ़ में की गई। कार्यशाला का उद्घाटन उपायुक्त-सह-अध्यक्ष, आत्मा, रामगढ़ के द्वारा किया गया। उपस्थित प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि आत्मा कृषि विकास को बढ़ावा देने हेतु किसानों के लिए एक सिंगल विन्डो सिस्टम पर आधारित स्वायत्तशासी संस्था है। जिसमें सभी विभाग एवं संबंधित विभाग के समन्वय से समस्या का समाधान प्रबंधकीय क्षमता के विकास द्वारा किया जा सकता है।

कार्यशाला में तत्कालीन कृषि निदेशक-सह-राज्य नोडल पदाधिकारी (एक्सटेंशन रिफोर्म्स), झारखण्ड ने तकनीकी सत्र में एक्सटेंशन रिफोर्म्स के विभिन्न बिन्दुओं से प्रतिभागियों को अवगत कराया। निदेशक, समेति, झारखण्ड ने कृषि प्रसार के नवीनतम आयाम एवं जिला स्तर पर आत्मा मॉडल के कार्यान्वयन की सविस्तार जानकारी दी। कार्यशाला में परियोजना निदेशक, आत्मा, रामगढ़; कृषि विज्ञान केन्द्र, हॉली क्रोस, हजारीबाग के वैज्ञानिक; गैर सरकारी संस्थान, प्रदान के प्रतिनिधि; पशुपालन एवं मत्स्य के पदाधिकारियों एवं प्रसार कर्मियों सहित कुल 70 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

दिनांक 28.01.2010 को नवसृजित आत्मा जिला, खूँटी में **''ऑरियेन्टेशन प्रोग्राम्स ऑन एक्सटेंशन रिफोर्म्स''** विषय पर कार्यशाला का आयोजन किसान भवन, खूँटी प्रखण्ड में किया गया। कार्यशाला का उद्घाटन उपायुक्त-सह-अध्यक्ष, (आत्मा), खूँटी श्रीमती पूजा सिंघल पुरवार के द्वारा किया गया। इन्होंने प्रतिभागियों को संबांधित करते कहा कि आत्मा एक स्वायत्तशासी संस्थान है, जिसके माध्यम से संकुलों एवं किसान समूह का विकास कर कृषि विकास को तेज कर सकते हैं, क्योंकि आत्मा ''बॉटम ऑफ एप्रोच'' पर आधारित है। इस अवसर पर उप विकास आयुक्त-सह-उपाध्यक्ष, आत्मा ने भी अपने विचार रखें।

कार्यशाला में मुख्यमंत्री किसान खुशहाली योजना के परियोजना निदेशक, डा. एम.एस.ए.एम. शिवा ने एक्सटेंशन रिफोर्म्स के अधीन आत्मा के महत्व को समझाते हुए उनके उत्तरदायित्वों के बारे में जानकारी दी। दूसरे सत्र में श्री अभिषेक तिर्की, संकाय सदस्य, (कृषि प्रसार प्रबंधन), समेति, झारखण्ड ने फार्मिंग सिस्टम एप्रोच एवं एस.आर.ई.पी. के बिन्दुओं पर पावर प्वाइंट प्रस्तुति के माध्यम से प्रतिभागियों को अवगत कराया।

इस कार्यशालाओं का मुख्य उद्देश्य कृषकों, प्रसार कर्मियों को कृषि प्रसार में हो रहे बदलाव से अवगत कराना था।

दोनों कार्यशाला का संचालन एवं कार्यान्वयन समेति निदेशक के मार्गदर्शन में श्री अभिषेक तिर्की, संकाय सदस्य (कृषि प्रसार प्रबंधन), समेति, झारखण्ड के द्वारा किया गया।

वर्कशॉप ऑन मास मीडिया स्कील टू सपोर्ट एग्रीकल्चर एक्सटेंशन

11 से 13 मार्च, 2010 तक समेति, झारखण्ड द्वारा तीन दिवसीय **''वर्कशॉप ऑन मास मीडिया स्कील टू सपोर्ट एग्रीकल्वर एक्सटेंशन''** विषयक प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राज्य के 24 आत्मा जिलों के नवनियुक्त उप परियोजना निदेशक, आत्मा/गैर सरकारी संस्थान के प्रतिनिधि सहित कुल 26 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण में विशेषज्ञ

के रूप में आकाशवाणी /दैनिक अखबार/ बिरसा कृषि विश्वविद्यालय एवं प्रज्ञा केन्द्र के प्रतिनिधियों ने मास मीडिया से जुड़े हुये आयामों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की एवं इसके महत्व के बारे में अवगत कराया। कार्यशाला का संचालन एवं कार्यान्वयन श्री मनोज कवि, संकाय सदस्य, (सूचना प्रौद्योगिकी), समेति, झारखण्ड के द्वारा किया गया।

हॉर्टिकल्चर एक्सटेंशन मैनेजमेंट

''हॉर्टिकल्चर एक्सटेंशन मैनेजमेंट'' विषय पर समेति, झारखण्ड एवं मैनेज, हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में 5 दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन 2 से 6 मार्च, 2010 तक समेति, सभागार में किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के उद्घाटन सूत्र में मैनेज के डॉ एम.ए. करीम, उप निदेशक, (प्रसार) ने प्रशिक्षणार्थियों को बताया कि प्रसार प्रबंधन की आवश्यकता, कृषि के हर क्षेत्र में हैं, क्योंकि उचित प्रबंधन से ही कृषि की उत्पादकता को बढ़ाया जा सकता है। देश के प्रत्येक राज्यों में राष्ट्रीय बागवानी मिशन अन्तर्गत बागवानी मिशन को सुदृढ़ करने के लिए प्रसार प्रबंधन को हस्तांतरित करने हेतु राष्ट्रीय स्तर पर मैनेज, हैदराबाद को अधिकृत किया गया है। इस अवसर पर निदेशक, समेति, झारखण्ड ने भी अपने विचार व्यक्त किये। प्रशिक्षण विशेषज्ञ के रूप में हार्प प्लाण्डू, जेवियर सेवा संस्थान, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, वर्ड वेजिटेबल सेन्टर एवं समेति, झारखण्ड के संकाय सदस्यों द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को हॉर्टिकल्चर तकनीक एवं प्रसार प्रबंधन के तकनीकों से अवगत कराया। प्रशिक्षण में राष्ट्रीय बागवानी मिशन जिले, मुख्यालय से जुड़े तकनीकी पदाधिकारी, प्रसार पदाधिकारी, गैर सरकारी संस्थान के प्रतिनिधि सहित कुल 30 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

मार्केट लेड एक्सटेंशन

16 से 20 मार्च, 2010 तक समेति सभागार में मैनेज, हैदराबाद एवं समेति, झारखण्ड के संयुक्त तत्वावधान में **''मार्केट लेड एक्सटेंशन''** विषय पर 5 दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। प्रशिक्षण का उद्घाटन, निदेशक, समेति, श्री जटाशंकर चौधरी के द्वारा किया गया। मैनेज, हैदराबाद के डॉ. भी.पी. शर्मा, निदेशक, (सूचना प्रौद्योगिकी) ने बाजार प्रसार प्रबंधन के नये आयामों पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि वर्तमान में भारत के राज्यों में अलग-अलग प्रसार प्रबंधन की आवश्यकता है। किसी राज्य में बाजार द्वारा प्रसार की आवश्यकता है, तो किसी राज्य में उत्पादन द्वारा प्रसार प्रबंधन की आवश्यकता है।

प्रशिक्षण के विशेषज्ञ के रूप में मार्केटिंग डिविजन, बिरसा कृषि विश्वविद्यालय, राँची के विशेषज्ञों द्वारा बाजारोन्मूख फसल प्रबंधन के बारे में बिन्दुवार चर्चा की गई। इस कार्यक्रम में राज्य से कुल 23 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

इफको के क्षेत्रीय कार्यालय का देवघर में शुभारम्भ

इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड (इफको) के क्षेत्रीय कार्यालय का महादेव की पावन नगरी देवघर, करनीबाद में 01.06.2010 को पूजन एवं मंत्रोचारण के साथ उद्घाटन किया गया। उद्घाटन समारोह में देवघर, दुमका, जामताड़ा, गोड्डा एवं गिरिडीह जिले के आत्मा, कृषि एवं सहकारिता विभाग के अधिकारियों सहित, कृषि संबंधित विभिन्न समितियों के अध्यक्ष एवं सचिवों ने भाग लिया। इस अवसर पर वरीय क्षेत्रीय प्रबंधक, देवघर, लेखा प्रबंधक, राज्य कार्यालय, इफको, राँची एवं राज्य में पदस्थ इफको के सभी क्षेत्र अधिकारी, नाबार्ड के जिला विकास प्रबंधक, श्री प्रफुल्ल रंजन झा एवं प्रेस मीडिया के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

समारोह का उद्घाटन, **श्री रामनारायण प्रसाद**, संयुक्त कृषि निदेशक, संथाल परगना प्रमण्डल, दुमका ने किया। समारोह की अध्यक्षता श्री गोकुल मेहरा, पूर्व कृषि निदेशक एवं स्टेट नोडल पदाधिकारी (आत्मा मंडल), झारखण्ड ने किया। श्री मेहरा ने उपस्थित अतिथियों, अधिकारियों एवं प्रेस मिडिया के प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए बताया की वर्षों से चाहत थी कि राज्य के इस पिछड़े क्षेत्रों के कृषक एवं कृषि विकास के लिए इफको आगे आये। यह सपना आज साकार हुआ। वर्ष 1967 से ही इफको सहकारिता के माध्यम से कृषि विकास के लिए सत्त्त प्रयासरत है। हमे पूर्ण विश्वास है कि इस क्षेत्रीय कार्यालय की स्थापना से सहकारिता एवं कृषि क्षेत्र के विकास में अच्छी उपलब्धि हो पायेगी।

समारोह के समापन पर इफको प्रबंधन ने रेवा आश्रम के प्रबंधन को क्षेत्रीय कार्यालय खोलने एवं मकान उपलब्ध कराने के लिये अभार व्यक्त किया।

किसान मेला-सह-गोष्ठी 2010

कृषि एवं गन्ना विकास विभाग, झारखण्ड, राँची एवं समेति, झारखण्ड के संयुक्त तत्वावधान में किसान मेला-सह-गोष्ठी, 2010 का आयोजन शहीद मैदान, धुर्वा, राँची में दिनांक 27 से 28 मार्च, 2010 तक किया गया।

किसान मेला-सह-गोष्ठी, 2010 का उद्घाटन माननीय मुख्यमंत्री, झारखण्ड, श्री शिबू सोरेन के द्वारा किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में माननीय मंत्री, कृषि एवं गन्ना विकास, पशुपालन एवं मत्स्य विभाग, श्री मथुरा प्रसाद महतो उपस्थित थे। मेले के उद्घाटन सत्र में माननीय मुख्यमंत्री ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य में समेकित कृषि प्रणाली अपनाने की आवश्यकता है, क्योंकि थोड़ा-थोड़ा कर के ही ज्यादा धन की प्राप्ति होती है, उसी तरह थोड़ा सा ही मुर्गी पालन, उद्यान, सब्जी की खेती, पशुपालन, कृषि आदि करने से अपने आर्थिक स्थिति में सुधार लाया जा सकता है। उन्होनें वैज्ञानिकों से अनुरोध किया कि वे वैसे-वैसे नस्लों, बीजों, फसलों का अनुसंधान करे जो कम लागत पर ज्यादा मुनाफा देता हो तथा किसानों के अभिरूचि के अनुरूप हो। श्री सोरेन ने किसानों से आह्वान किया कि जल्द ही गांव-गांव तक पानी पहुँचाई जायेगी, जिसके लिए सरकार युद्ध स्तर पर कार्रवाई कर रही है, ताकि गांव का पानी गांव में ही संरक्षित रहे।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि एवं मेला संरक्षक के रूप में उपस्थित माननीय मंत्री, कृषि एवं गन्ना विकास विभाग ने मेले में आये सभी किसान भाईयों को संबोधित करते हुए कहा कि हमारा राज्य कृषि पर आधारित है, जिसकी 70 प्रतिशत जनसंख्या इस पर निर्भर करती है। राज्य बनने के पश्चात हमारी स्थिति खाद्यान्न

के मामले में काफी सुदृढ़ हुई है। हमारे राज्य को द्वितीय हरित क्रान्ति के महत्वपूर्ण राज्य के रूप में देखा जा रहा है, क्योंकि यहाँ भौगोलिक दृष्टिकोण से उद्यान, पशुपालन, मत्स्य, कृषि, रेशम, सब्जी एवं लाह उत्पादन की असीम संभावनाएँ हैं। अतः उन्होंने किसान भाईयों से आग्रह किया कि समेकित कृषि प्रणाली को अपनाते हुए अपने एवं राज्य की उन्नति में योगदान दें। उद्घाटन सत्र में श्री अमरेन्द्र प्रताप सिंह, सचिव, कृषि एवं गन्ना विकास विभाग, झारखण्ड ने स्वागत भाषण द्वारा अतिथियों एवं राज्य के सभी जिलों से आये किसानों का स्वागत किया। श्री दीपक सिंह, कृषि निदेशक, झारखण्ड ने उद्घाटन सत्र के अंतिम सत्र में धन्यवाद ज्ञापन दिया।

उद्घाटन सत्र में माननीय मुख्यमंत्री द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर राज्य के चिन्हित प्रगतिशील कृषकों यथा श्री कमल मुर्मू, टेटुलिया, जामताड़ा; श्री शंकर भण्डारी, निजकजरा, जामताड़ा, श्री पोरेश चन्द्र बिरूली, चितिमीटी, पश्चिम सिंहभूम को प्रशंसा-पत्र, सॉल एवं कृषि यंत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर समेति, झारखण्ड द्वारा प्रकाशित **''झारखण्ड राज्य में किसानों की सहभागिता से कृषि विकास के लिए किये जा रहे प्रयास''** नामक पुस्तिका एवं **''एग्रोटेक कैलेण्डर-2010''** का माननीय मुख्य अतिथि द्वारा विमोचन किया गया।

मेले के तकनीकी सत्र में श्री जटाशंकर चौधरी, निदेशक, समेति, झारखण्ड द्वारा किसान - वैज्ञानिक - विभागीय पदाधिकारियों द्वारा अन्तर मिलन कार्यक्रम का संचालन किया गया। जिसमें मत्स्य, पशुपालन, कृषि के पदाधिकारी तथा बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों ने भाग लिया। किसानों द्वारा पूछे गये प्रश्नों का उत्तर संबंधित क्षेत्र के विशेषज्ञों द्वारा दिया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में कला मन्दिर, पूर्वी सिंहभूम के कलाकारों ने छऊ नृत्य प्रस्तुत किया। मेले के दूसरे दिन के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में कृषि एवं गन्ना विकास विभाग के मंत्री श्री मथुरा प्रसाद महतो थे। इस अवसर पर किसान मेला में प्रदर्शित किये गये उत्कृष्ट 37 प्रादर्शों को पुरस्कृत किया गया, जिन्हें प्रशंसा-पत्र के साथ कृषकों को कृषि उपकरण देकर सम्मानित किया गया। मेला में राज्य के आत्मा जिलों, मत्स्य एवं पशुपालन समूह, गैर सरकारी संस्थान के समूह सहित लगभग कुल 6000 कृषकों ने भाग लिया। इस मेले का कार्यान्वयन एवं संचालन समेति, झारखण्ड; कृषि एवं गन्ना विकास विभाग; पशुपालन एवं मत्स्य विभाग के संयुक्त प्रयास से किया गया। इस मेले का मुख्य उद्देश्य किसानों को विभाग द्वारा चलाये जा रहे कृषि विकास के कार्यक्रमों/योजनाओं से अवगत कराना था।

राष्ट्रीय स्तर पर कृषक सम्मानित

भारत सरकार, कृषि मंत्रालय, कृषि एवं सहकारिता विभाग, नई दिल्ली के द्वारा 26.02.2010 को राष्ट्रीय स्तर पर विज्ञान भवन, नई दिल्ली में माननीय कृषि मंत्री, भारत सरकार, श्री शरद पवार के द्वारा "कॉफी टेबल बुक की सफलतम कहानी" का विमोचन किया गया। जिसमें झारखण्ड राज्य के तीन कृषकों को उनके उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। पुरस्कार स्वरूप भारत सरकार द्वारा प्रशंसा पत्र एवं शॉल प्रदान किया गया। राष्ट्रीय स्तर पर देश के कुल 101 प्रगतिशील कृषकों का चयन कर विभिन्न राज्यों के सुदूर गांवों से कॉफी टेबल बुक के माध्यम से सफलतम कहानी का संकलन किया गया।

झारखण्ड राज्य के तीन कृषक यथा श्री कमल मुर्मू, टेटुलिया, जामताड़ा का कार्य क्षेत्र लाह उत्पादन; श्री शंकर भण्डारी, निजकजरा, जामताड़ा का सब्जी उत्पादन तथा समेकित कृषि एवं श्री पोरेश चन्द्र बिरूली, चितिमीटी, पश्चिम सिंहभूम का समेकित कृषि के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए झारखण्ड राज्य से आत्मा द्वारा चयन कर समेति, झारखण्ड के माध्यम से भारत सरकार को उपलब्ध कराई गई थी।

फेसिलेटेटर डेवलपमेंट वर्कशॉप इन शिमला

मैनेज, हैदराबाद द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आत्मा मॉडल पर विशेषज्ञ तैयार करने हेतु 19 से 23 अप्रैल, 2010 तक समेति, शिमला (हिमाचल प्रदेश) में छः दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में झारखण्ड राज्य से चयनित दो विशेषज्ञों - डॉ. रंजय कुमार सिंह, कार्यक्रम समवयक, कृषि विज्ञान केन्द्र, चतरा एवं श्री अभिषेक तिर्की, संकाय सदस्य, कृषि प्रसार प्रबंधन, समेति, झारखण्ड द्वारा भाग लिया गया।

देश के विभिन्न राज्यों यथाः सिक्किम, बिहार, झारखण्ड, पश्चिम बंगाल, असम, उत्तर प्रदेश, पंजाब, जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, आन्ध्र प्रदेश, कर्नाटक एवं गुजरात से कुल 36 चयनित विशेषज्ञों ने भाग लिया। कार्यशाला में मैनेज, हैदराबाद से विशेषज्ञों के रूप में डॉ. बी.के. रेड्डी, सेवानिवृत निदेशक, (मानव संसाधन विकास) एवं डॉ. उमा रानी, उप निदेशक, मानव संसाधन विकास द्वारा विशेषज्ञों को पावर प्वाइंट प्रस्तुतिकरण, क्षमता, केश स्टडी, समूह सहभागिता एवं एक्सटेंशन रिफोर्म्स के विभिन्न बिन्दुओं पर सहभागिता के साथ विमर्श किया। समेति, शिमला से विशेषज्ञ के रूप में डॉ. शर्मा, डॉ. ठाकुर एवं राष्ट्रीय विशेषज्ञ ने भी विभिन्न विषयों पर प्रतिभागियों से विचार-विमर्श किया।

इस कार्यक्रम का संचालन एवं कार्यान्वयन मैनेज, हैदराबाद एवं समेति, शिमला के संयुक्त तत्वावधान में किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न राज्यों के कृषि एवं संबद्ध पदाधिकारियों के क्षमता विकास एवं ज्ञानवर्द्धन के लिए राष्ट्रीय विशेषज्ञों को तैयार करना था।

राष्ट्रीय स्तर पर समेति, झारखण्ड की भागीदारी

ऐसोचेम, नई दिल्ली द्वारा आयोजित द्वितीय हरित क्रान्ति, 2010 में भागीदारी

Associate Chamber of Commerce and Industries, नई दिल्ली द्वारा 08 से 09 फरवरी, 2010 को होटल, ललित इन्टरनेशनल में द्वितीय हरित क्रान्ति, 2010 पर वैश्विक शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य अतिथि हरित क्रान्ति के जनक एवं राज्य सभा सदस्य डॉ. एम. एस. स्वामीनाथन द्वारा उद्घाटन किया गया। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रसिद्ध अर्थशास्त्री तथा योजना आयोग के सदस्य डॉ. अभिजीत सेन, ऐसोचेम की अध्यक्षता में डॉ. स्वाति पीरामल, तमिलनाडु चेम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष री अलगु सुन्दरम, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् के प्रतिनिधि श्री पंजाब सिंह, पंजाब कृषि विश्वविद्यालय के प्रतिकुलपति तथा कृषि उपादानों से संबंधित कई प्रतिष्ठानों के मुख्य कार्यकारी अधिकारी उपस्थित थे।

झारखण्ड राज्य का प्रार्दश **''कृषि आधारित उद्योग तथा समेकित कृषि प्रणाली द्वारा ग्रामीण विकास''** विषय पर आधारित था। स्टॉल में झारखण्ड के फसल प्रणाली एवं उनके संभावनाओं को प्रस्तुत किया गया। इस स्टॉल का मुख्य आकर्षण केन्द्र **''कृषि की नई तकनीक एवं प्रबंधन''** आदि विषयों की समेति, झारखण्ड द्वारा प्रकाशित की गई पुस्तकें थी। स्टॉल पर उपस्थित सभी गणमान्य अतिथियों द्वारा स्टॉल का अवलोकन किया गया तथा प्रार्दश प्रदर्शनी की सराहना की गई।

वैश्विक शिविर के दूसरे दिन का उद्घाटन माननीय मंत्री, श्री मथुरा प्रसाद महतो, कृषि एवं पशुपालन, झारखण्ड, सरकार द्वारा किया गया। इस अवसर पर सम्मेलन को संबोधित करते हुए माननीय मंत्री ने कहा कि झारखण्ड राज्य में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में द्वितीय हरित क्रान्ति के लिए अपार संभावनाएँ तथा कृषि को उद्योग का दर्जा देने का अवसर मौजूद हैं, इसलिए सभी उद्योगपतियों, निवेशकों तथा निदेशकों को झारखण्ड में कृषि एवं कृषि से संबंधित उद्योगों में निवेश करने हेतु आगे आना चाहिए।

इस वैश्विक शिविर के प्रायोजक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, नाबार्ड, खाद्य एवं प्रसंस्करण मंत्रालय, भारत सरकार, कृषि एवं सहकारिता विभाग, वाणिज्य एवं उद्योग विभाग, हिन्दुस्तान लीवर, एन.एस.ए., सी.एस.आर. तथा मीडिया साझेदार, आकाशवाणी एवं दूरदर्शन थे। झारखण्ड का प्रतिनिधित्व डॉ. एम.एस.ए.एम. शिवा, राज्य परियोजना निदेशक, मुख्यमंत्री किसान खुशहाली योजना, झारखण्ड; श्री अभिषेक तिर्की, संकाय सदस्य, (कृषि प्रसार प्रबंधन), समेति, झारखण्ड तथा डॉ. श्रीकान्त, तकनीकी विशेषज्ञ, एन.एच.एम., झारखण्ड द्वारा किया गया।

State Level
“Training Planning Workshop”

झारखण्ड सरकार
मत्स्य-विभाग
जिला-लातेहार
किसान मेला-2010 रांची

किसान डेयरी फार्म

Green Revolution II

ASSOCHAM

संपादक मंडल

संरक्षक	:	**श्री अरूण कुमार सिंह**, सचिव (कृषि) एवं अध्यक्ष (एक्सटेंशन रिफोर्म्स), झारखण्ड, राँची
उप संरक्षक	:	**राजेश शर्मा**, कृषि निदेशक एवं स्टेट नोडल पदाधिकारी (एक्सटेंशन रिफोर्म्स), झारखण्ड
मुख्य संपादक एवं प्रकाशक	:	**श्री जटा शंकर चौधरी**, निदेशक, समेति, झारखण्ड
लेखन एवं सम्पादन	:	**श्री अभिषेक तिर्की**, संकाय सदस्य (कृषि प्रसार प्रबंधन), समेति, झारखण्ड
		श्री मनोज कवि, संकाय सदस्य (सूचना प्रौद्योगिकी), समेति, झारखण्ड
संकलन टंकण एवं साज सज्जा	:	**श्री परशुराम**, कम्प्यूटर ऑपरेटर, समेति झारखण्ड

1207/06/11 • Kailash Paper • Tel. : 0651 2532251

राज्यस्तरीय कृषि प्रबंधन, प्रसार–सह–प्रशिक्षण संस्थान
(समेति, झारखण्ड)

कृषि भवन प्रांगण, काँके रोड, राँची - 834 008

दूरभाषः 0651 2232745 • फैक्सः 0651 2232746
वेबसाईट : www.sameti.org
ई.मेलः sametijharkhand@rediffmail.com